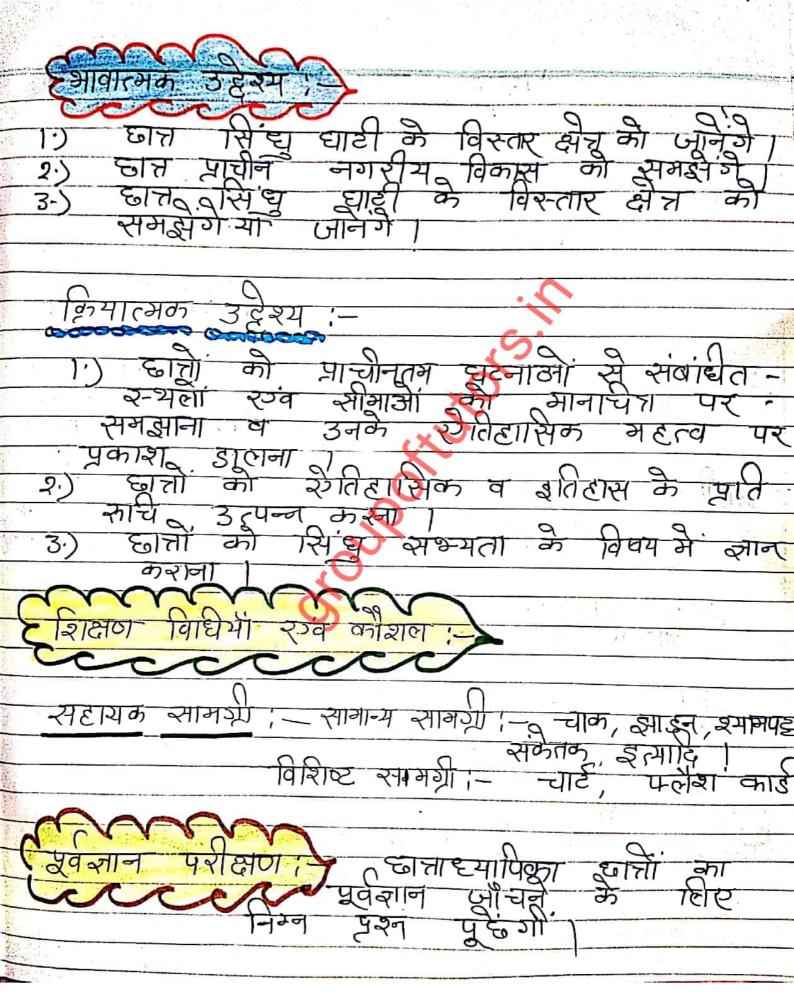


	The state of the s
छाताष्ट्रमापिका का नाम ->	अनुक्रमान - १ ११
विषय — सामा जिन विज्ञान	कार्था ->
उपविषय - सिं घु घाटी की	अवधि 🛶
04/444 -> 101 9 4101	ζ. · · ·
र्सभ्यता	दिनाक ->
9 0	0
्सामान्य उद्देश्य : -> 10 बच्चां की	कल्पमा शाक्त का
टिट्रेट विकास करन	
2) जीवन की विभिन्न परिस्थि	9. 7
2) जीवन का विभिन्न पारीर-यो	तिया द्वशासा और
मानासिक, अवर-पाओं स्मे	परिचित कराना
	कुशलता का विकार
करना	2
प्) विद्यार्थीयों में सामाजिक अष् की शर्टीं का विकास क	O4:
५) विद्याभाषा भ सामाजक अष	ध्ययन का आदता व
की शिली का विकास क	रन।
0,	
00000	<u> </u>
विशिष्ट उद्देश्य (भ	
9	
ज्ञानात्मक उद्देश्य !- 1.) विद्यार्थीयी	. 9 . 00 ~
ज्ञानात्मक उद्देश्य !- 1.) विद्यार्थीयी	को पूर्व की घटना अ
का जीन व	भराकर वर्तमान से
१, १ जीडना	
	देश चान वेचा 1
	का श्रीन देना)
3,1 31/1	जाशत करना



ह्याताह गापिका विन्यार्थ	द्धारा क्रियास
) विश्व की प्रासिद्ध सभ्यतार्थं कौन कौन सी हैं २	। मेसीपोटामि मा की सभ्मता । १. मिष्ट्रा की सभ्मता उचीन की सभ्मता प. सिंधु घाटी की
2. व्यञ्मता क्या होती हैं व	भन्ध्य की जीवन शिली में क्रमिक विकास की सम्भता कहते हैं।
3. प्राचीन सम्भूता नार्वियां के किनारे ही क्यों विकासता हुई २	क्यों के प्राचीन कृषि और पशुपालन पर नि भेर होती थी
प प्राचीन सम्भताओं के आर्थिक आधार क्या होते थे ?	कृषि
5 सिंचु धाटी अभ्यता के बारे अं आप क्या आसर्ते है	पूर्व <i>२</i> स्मर-धारमक
उद्देश्य कथन ने बच्चां आण् की सम्भता के अध्यान करें	हम इसिंधु घाटी हे बारे मे

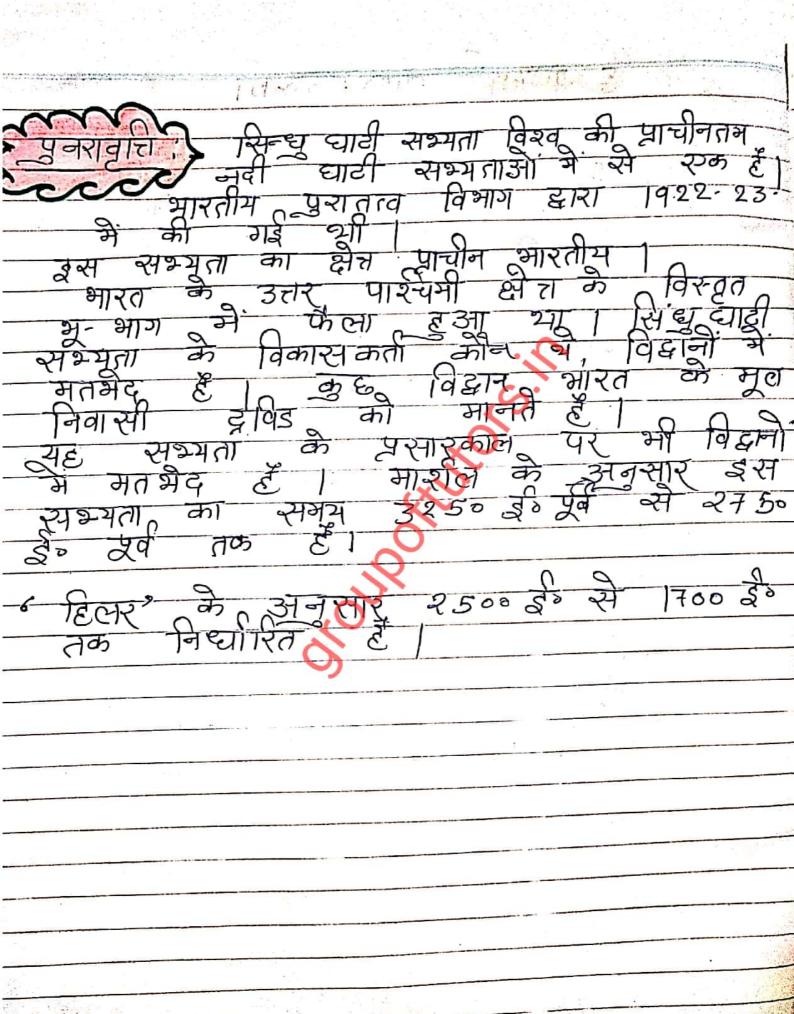
		· · ·		ت ٥		
शिक्षण	ह्या ह्या पिक क्रि	यार	न्द्रारा	18417	ग्रभामपय्ट	काय
चि-्धु						
सिंखु घाडी	- Am A	2				
सि <u>ष</u> घाटा	वानया का प्राच	नित्र के	9	-0715		
स्थ्यता का	दुनिया की प्राची नदी घाटी स से रुक हुमारी	131-07	खे <u>र</u> प	4 546(
उद्भव और े विकास	घाटी सभ्यता	4	29.	पृ ध्यान सुन, है।		
See Co	ि जिसका उट्ट	न रांव	10	0 1	3	
	विकास सिंह्य	नरी	·		1	
	जिसका उद्भव विकास सिंधु के किनार	ह आ				
	था ।	^	10	,		
	इसकी खोज	मारतीय	0	180	· · ·)	
	इसकी खोज ह पुरातत्व विभा 1922-23 है गई थ	वा द्वारा	100			
1	1922-23	a)	7			
•	गड भ	7/				
	नगम विकास	9			*	
	इसमा विकास और घटघर (सरस्वती)	प्राचीन				
	अग्रस्ति।	किनारे				
	सर्स्वती) क	(0) 11	स्त्र	ध्यान-		•
	ने वी शताब	A 3.	- 4 d-1	र्भन	7	
	पहली बार छ	बि होगी	25	3 8		
	ने पंजाब पात	न में	.			4
	इंट्रों के हिंस	ग्रिस्टी		17.0		
	की खुदाई	की				
	तब् उन्हे व्	हों से			1 T 1	
	बनी वनाई है	120				
	र्मेली जिसे	लोगों	• , =			To the
	ने भगवान	का		of the		4
	न्यभरकार र	गना।				
			100 100 100 100 100	ASSESSED I		
Control of the second			North terms	Column to the second		THE PERSON NAMED IN

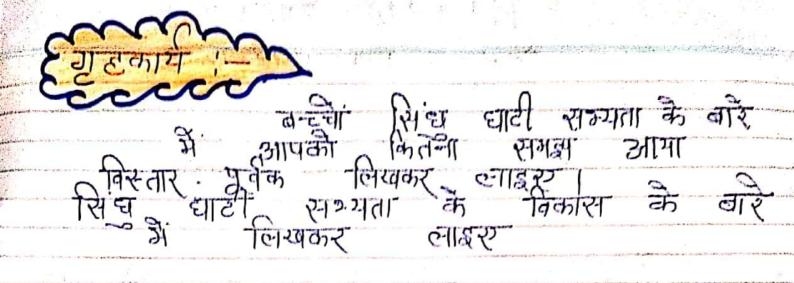
		•	
शिक्षण	हाताष्ट्रया पिका क्रियार्थ	, ह्यान कियार्थ	241मपट्ट
बिन्द	GITTO-1/14-31 T		कार्य
~~~~			
DI-ELCUA	शुक्त में ती द्वस स्थाना का क्षेत्र केवल सिंधु नदी तक ही समझा	4	
C Table	का होता केवला सिंध	<u> छान्न दयान-</u>	
र्साट्यु छाड़ा र्साङ्ग्यता के होन	विशेष्ट्री तक ही समझा	n.	
COCK	जाता था।	- युवक चुन	les K
	ज्ञाता था । व व व व व व व व व व व व व व व व व व	(0 0)	
	ेन यह सिट ही चना		
	त कि वसके सन्तित		
	गार्श्वाम के क्लारिक्तान	.63	
	गांग्नाल में नेपद्याजय-		
	शाम में काली लेगा	O	
	राजावीरा गुजरात	~	
	में जीयल दर्भी सम्भवता		
	जाता था) लेकिन नवीनतम खोजी रेन यह सिद्ध होचुका है कि इसके अन्तेंगत पाश्चिम में क्लाचिस्तान पंजाब में से पड राजर- - थान में काली खंगा रंव घोलावीरा गुजरात में लोपल इसी सम्मता के क्षेत्र थे।		
	3, 4,4		
COMO			
(Dier	इसी सभ्यता के विकास		
र चाटी	0 Pil 091 18	दान हमान	7
जाराता के		हात हमान पुर्वेक सन	
सम्मता क	विद्वानी में मतभद है।	रहे हैं।	
Clanting	मल निवासी द्रविंड की	46 61	
	दूस स्थापा का जनक		
	कुछ विद्वान भारत के मूल निवासी द्रविड को दूस सम्मृता का जनम मानते हैं।		
	200		
	011		
	अभ्यता क जनक मानते हैं।		
WE .	-11-111		
	The second secon		11.11.4.4.

	0 0 4	0 111	Januarian S
्राशिक्षण	क्षानाष्ट्रगापिका क्रियार्थ	द्धान किमीरी	<i>रुप्रागपहुर</i>
विन्यु		A. C.	जिंग में
बिन्दु साक्ष्य साक्ष्य याजना	वतिमान पाकिस्ताम के सिंध प्रांत के जरकाना कि में सिंध नहीं के जिने हैं। के जिने हैं। के अपने क	बन्दि ध्यम - प्रतिक स्मा रहे हैं	
	Fan Mana Mail		
	For More, Visit www.groupoft	tutors.in	

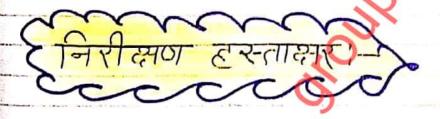
	0	0 4			and the same of
ोशक्ष ण	न्हाना हुगा फिना	कियारें।	ह्यारा ो	क्रेपार्थ ।	इमामपहुट
बिन्ध		6.			कार्य
avv	0. 0.				
प्रसार काला	सिंधु चारी की	सम्मत्			1
CCC	के जन्मदात तरह ही इ - काल पर इ में मतभद है	गाओं की	हारू	हमान -	· · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·
	तरह ही इ	सके वसार	- स्रुवन	<u> श्</u> रीन	
	-काल पर इ	गे विद्वाना	र ह	<u> </u>	
	में मतभद ह				
	पासिद्ध इतिह भारीला सिंधु घाटी	्रसकार			
4,000	्रमाशल (क अनुसार	2.	•	
	सिंधु घाटी	सक्यता	C		
	का समय है से पूर्व से दुर्वी तक ह	325050	(2)		
	र्भ प्रव स	×7750	<u>O</u> .		
	देश्या पर्य	١	<u> </u>		
	10-3 164	131413			
	92-0 3 1116	14/01/2			`
	26615, 20, 3	THE ARM	1.		
	परन्तु होतिह विहलारी के उ खुदाई में दे रुव अवश्री	37 9770	11		
	जाहाउ पर	व भ्य स्थानमा	7-121 Y	2011-	
	की अवाधी	2500	4 da	च्यम	
***	हिली पर्व	7300	-25	ا ج	1
	निसारित	4	37	0 1	
	सामानिक र	तेहास्य कार			
	6 दिक्तर	2 3	197		
and dispersion of the second o	विचार रेने	(स्याटा	-22-		
	अम्हमत ह	ति है।			
	(10 11)				
		thing this the sine is not as an in the second sine of the	and the second second second second second		
	A PROPERTY OF THE PROPERTY OF	• New Conference of the Section Conference o	The state of the s		
	According to the second of the		T190 5 14 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40 40		
<u> </u>		Annual			and the state of t

शिक्षव	ट्जिता ह्यापिका कियार्थ	O - 4	
बिन्ध	। । । । । । । । । । । । । । । । । ।	न्द्रातिक्री हिन्मार्थ	श्यामपटट
-000	3- 15 3-2-5	Jan 1979	मार्थ
7		14 C C C C C C C C C C C C C C C C C C C	i Park plants in the contract
यार्निक र	है डिप्पा में पनी मिहरी	Table 1	
जीवन	की स्त्री मिर्तिकारू भारी	ह्यान	edes.
	सवमा में मिली हैं।	-पर्वक अन	
	रक, यहीं में रनी के	हात्ता ध्यान -प्रविक सन् रहे हैं।	
7 251	रक मूर्ति में र-ती के	यह हा	i. 19
T1111 T TE	90 (1916)(1)		F (1)
	विद्वाना के मत में यह	1-6 _ 16	€
	पिड़ा ने बामा ग्या है विद्वाना के मत में मह एक्वी देवी की प्रतीमा		
	युष्यी देवी की प्रतीमा	C	4"
	C .	9	
4.70	पी हो के जुन्म और वार्	1000	*
V 4.	पी हो जन्म और वह से तहा होगा।	1 (1.2 h	4
9	T TEI 2131 1 20		. F2* 17 - 1-1 - 1
	इसावर माजून होता है		
	इसिंग्रें भाषून हैं। है		•)
	को उर्वश्रा की विव =	N N	
	70-1	1 1 1	. /
	o o o		1 - 1
	युजा उसी तरह करते		
	के लोग बील नदी की	74 <u>5</u> 0	7
	20 1		
	देवी अहि सिस् की।		× .
4.1.			
			-
			D STATE OF THE STA
			The state of the s
		S. 7.	





संदर्भ !- 'N.C.E.R.T कहा - VII साभाषिक अष्टगम्ब (हे.भीर अतीत)



Janus Wasen .